"कक्षा 8 के छात्रों द्वारा भूगोल विषय में रुचि न लेने की समस्या का अध्ययन"

छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय,
कानपुर

बी. एड. उपाधि हेतु प्रस्तुत
क्रियात्मक अनुसंधान

सत्र : 2010-2011

निर्देशक:
जनाब मोहम्मद आरिफ
शिक्षक- बी. एड. विभाग

अनुसंधानकर्ता:
मोहम्मद रईस
बी. एड. (छात्राध्यापक)

हलीम मुस्लिम स्नातकोत्तर महाविद्यालय,
कानपुर

घोषणा-पत्र

मैं **मोहम्मद रईस** यह घोषणा करता हूँ कि प्रस्तुत क्रियात्मक अनुसंधान मेरी मौलिक कृति हैं तथा इसके पूर्व यह क्रियात्मक अनुसंधान कही अन्यत्र प्रस्तुत नही किया गया हैं।

अपने विद्वान निर्देशक **"जनाब मोहम्मद आरिफ"** के सफल निर्देशन में शोधकर्ता ने इस क्रियात्मक अनुसंधान की रचना में जिन विविध स्त्रोतो का प्रयोग किया हैं उनका संकेत संदर्भ ग्रन्थ सूची में कर दिया गया हैं।

शोधकर्ता

(मोहम्मद रईस)

छात्राध्यापक(बी० एड०)

Snow Kids

आभार स्वीकृति

प्रस्तुत क्रियात्मक अनुसंधान कानपुर के "डा० भीम राव अम्बेडकर उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, गॉधी नगर, कानपुर" के **"कक्षा 8 के छात्रों द्वारा भूगोल विषय में रूचि न लेने की समस्या का अध्ययन"** हैं।

सर्वप्रथम मैं सर्वशक्तिमान "अल्लाह" के प्रति अपना अभार प्रकट करता हूँ जिसने मुझे इस क्रियात्मक अनुसंधान की रचना करने योग्य बनाया।

मैं अपने निर्देशक **"जनाब मोहम्मद आरिफ"**का अत्यधिक आभारी हूँ जिनके प्रखर निर्देशन और प्रोत्साहन से मैंने अपना शोध कार्य पूरा किया। आपके मार्गदर्शन और अमूल्य सुझावो के परिणामस्वरूप ही यह क्रियात्मक अनुसंधान साकार रूप मे प्रस्तुत हो सका हैं।

मैं **जनाब अंसार अहमद**, विभागाध्यक्ष बी. एड., हलीम मुस्लिम पी०जी० कालेज, कानपुर का भी हार्दिक आभारी हूँ जिन्होंने इस क्रियात्मक अनुसंधान को पूरा करने में अपना अमूल्य सहयोग प्रदान किया।

तत्पश्चात मैं हलीम मुस्लिम पी०जी० कालेज, चमनगंज, कानपुर के अध्यापकों तथा छात्रों को भी विशेष रूप से धन्यवाद देता हूँ, क्योंकि इनके सहयोग के बिना यह क्रियात्मक अनुसंधान पूरा न हो पाता।

शोधकर्ता

(मोहम्मद रईस)

Snow Kids

"क्रियात्मक अनुसंधान पर आधारित प्रायोगिक परियोजना का प्रतिवेदन"

परियोजना का शीर्षक	:	"सामाजिक कक्षा 8 के छात्रों में द्वारा भूगोल विषय में रूचि न लेने की समस्या का अध्ययन"
अनुसंधानकर्ता का नाम	:	मोहम्मद रईस
अनुसंधान निर्देशक का नाम	:	जनाब मोहम्मद आरिफ
विद्यालय का नाम	:	डा० भीम राव अम्बेडकर उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, गॉधी नगर, कानपुर
कक्षा	:	8
अनुसंधान की अवधि	:	20 जनवरी 2011 से 19 फरवरी 2011 तक

Snow Kids

समस्या की पृष्ठभूमि

छात्राध्यापक ने विद्यालय में शिक्षाण अभ्यास करते समय देखा कि कुछ छात्र भूगोल विषय के अध्ययन में रूचि नही ले रहे हैं तथा उन्हें भूगोल से सम्बधित जो भी कार्य करने के लिये दिया जाता हैं, उसे भी भलीभाँति नही करते हैं। इसके अतिरिक्त कुछ छात्र भूगोल के कालांश के समय बाहर रहते हैं तथा कुछ छात्र नियमित रूप से भूगोल विषय के डर से विद्यालय नही आते हैं।

इन सब कार्यो से परिलक्षित होता हैं कि छात्र भूगोल के अध्यान में कम रूचि ले रहे हैं। भूगोल विषय का रूचिपूर्ण अध्ययन न करना एक बड़ी समस्या हैं, जिसके परिणाम स्वरूप वे भूगोल से सम्बन्धित रोचक एवं महत्वपूर्ण जानकारियों से वंचित रह जाते हैं। और इसका दुप्रर्भाव उनके परीक्षाफल पर भी पड़ता हैं।

अतः उपरोक्त समस्या के सामने आने पर छात्राध्यापक ने भूगोल विषय के प्रति छात्रों में रूचि उत्पन्न करने के लिये एक परियोजना के आधार पर इसे हल करने का प्रयास किया।

Snow Kids

परियोजना के उद्देश्य

किसी भी समस्या को दूर करने के लिये योजनाबद्ध तरीके से कार्य करना चाहिये। योजना समस्या को दूर करने के लिये नितान्त आवश्यक हैं, क्योंकि योजना के तहत समस्या पर कार्य करना सरल हो जाता हैं। असके अलावा समस्या को दूर करने के लिये उद्देश्य का होना भी अनिवार्य हैं। उद्देश्य लक्ष्य प्राप्ति का साधन हैं।

छात्राध्यापक ने उद्देश्य को ध्यान में रखते हुए इस समस्या के अध्ययन हेतु एक परियोजना बनाई जिसके उद्देश्य निम्नवत् हैं-

- विद्यार्थियों को भूगोल विषय से सम्बन्धित रोचक जानकारियां प्रदान करना।
- विद्यार्थियों में भूगोल विषय के प्रति रूचि उत्पन्न करना।
- विद्यार्थियों में भूगोल विषय के अध्ययन से होने वाले लाभ से अवगत कराना।
- विद्यार्थियों के मानसिक योग्यता के स्तर को उठाने के लिये पाठ्य सहगामी क्रियाओ का आयोजन कराना।
- शिक्षाण प्रक्रिया के दौरान अनुशासनहीनता के कारणो तथा भूगोल विषय के प्रति अरूचि के कारणो का पता लगाकर उसको दूर करना।
- विद्यार्थियों के समुह में विषय से सम्बन्धित कार्य देकर उनमें सहयोग की भावना को जाग्रत करना।

Snow Kids

परियोजना का महत्व

प्राय: यह देखा गया हैं कि कक्षा के कुछ छात्र भूगोल विषय के प्रति गम्भीर नही रहते हैं। उन्हें भूगोल विषय के महत्व का ज्ञान नही होता। अत: ऐसी स्थिती में उन्हें भूगोल विषय की सैद्धान्तिक एवं प्रायोगिक ज्ञान देना अति आवश्यक हैं। इसलिये यह परियोजना भूगोल विषय में रूचि न लेनेवाले छात्रों, छात्र के अभिभावको, उन्हें पढ़ाने वाले शिक्षाको तथा प्रधानाचार्यो के लियें अत्यन्त महत्वपूर्ण क्योकिं-

- इस परियोजना के माध्यम से छात्रों में भूगोल विषय के प्रति रूचि उत्पन्न की जा सकती हैं।
- इस परियोजना के द्वारा छात्रों की भूगोल विषय से सम्बन्धित समस्यायें दूर की जा सकती हैं।
- इस परियोजना पर अमल करके छात्रों में भूगोल विषय की उपयोगिता एवं महत्व की प्रवृत्ति का विकास किया जा सकता हैं।
- इस परियोजना के द्वारा छात्रों में विद्यालय में उपस्थित रहने की प्रवृत्ति को बढ़ाया जा सकता हैं।
- इस परियोजना पर कार्य करके छात्रों को भौगोलिक स्थितियों का गहन अध्ययन करने के लिये प्रेरित किया जा सकता हैं।
- इस परियोजना की सहायता से छात्रों के परिक्षाफल में भूगोल विषय में अंक बढ़ाये जा सकते हैं।

Snow Kids

परियोजना का अभिकथन

प्रस्तुत परियोजना में छात्राध्यापक ने "कक्षा 8 के छात्रों द्वारा भूगोल विषय रूचि न लेने की समस्या का अध्ययन" किया हैं।

समस्या का परिसीमन

समस्या के अध्ययन हेतु व इसका समाधान करने हेतु "डा० भीम राव अम्बेडकर उच्चतर माध्यमिक विद्यालय", गॉधी नगर, कानपुर के कक्षा 8 के 22 विद्यार्थियों को लिया गया हैं।

Snow Kids

समस्या के कारणो का विश्लेषण

क्रम संख्या	समस्या के सम्भावित कारण	साक्ष्य	तथ्य या अनुमान	अनुसंधानकर्ता का नियंत्रण	प्राथमिकता क्रम
1	भूगोल विषय कठिन विषय हैं।	विद्यार्थियों से पूछताछ करके	तथ्य	नियंत्रण किया जा सकता हैं।	5
2	अध्यापक छात्रों को रूचिपूर्ण ढंग से नही पढ़ाते	कक्षा में शिक्षक की शिक्षण कला को देखकर	तथ्य	नियत्रणं किया जा सकता हैं।	1
3	संरक्षाकों का बच्चों के प्रति लापरवाही बरतना	संरक्षाकों से साक्षात्कार द्वारा ज्ञात किया	तथ्य	संरक्षाकों के सहयोग से नियंत्रित किया जा सकता हैं।	3
4	छात्रों का चित्र मानचित्र व भौगोलिक ऑकड़ो को कंठस्थ न कर पाना।	छात्रों से पूछताछ करके	तथ्य	नियंत्रित किया जा सकता हैं।	2
5	विद्यार्थियों का मन पढ़ाई में न लगना।	छात्रों से पूछताछ करके	तथ्य	नियत्रणं किया जा सकता हैं।	4

Snow Kids

क्रियात्मक परिकल्पनाओं का निर्माण

समस्या के कारणों के विश्लेषण के आधार पर क्रियात्मक अनुसंधान की परिकल्पनाओं का निर्माण किया जाता हैं। इसमें परिकल्पनाओं का आधार वे कारण होते हैं जिन पर अनुसंधानकर्ता का पूर्ण नियंत्रण होता हैं। अतः अनुसंधानकर्ता ने अपनी समस्या के समाधान हेतु निम्नलिखित दो परिकल्पनाये बनायी हैं:-

प्रथम क्रियात्मक परिकल्पना

विद्यालय में छात्रों को भूगोल विषय की उपयोगिता एवं महत्व समझाकर तथा अभिभावकों एवं अध्यापको के द्वारा उनकी समस्याओं का निराकरण करके विद्यालय के छात्रों में भूगोल विषय के प्रति रूचि को उत्पन्न किया जा सकता हैं।

द्वितीय क्रियात्मक परिकल्पना

अध्यापको के द्वारा पाठ को रोचक बनाने के लिये उचित चित्रों, मानचित्रोंएवं मॉडल का प्रयोग कर छात्रों को अध्ययन के लिये प्रेरित किया जा सकता हैं।

उपकरणों का चयन

समस्या के अध्ययन हेतु बनाई गयी परिकल्पना के परिक्षण के लिये अनुसंधानकर्ता ने कई तथ्य एकत्रित किये जिसके लिये उसने निम्न उपकरणों का चयन किया :-

- प्रश्नपत्र
- प्रेक्षण/निरीक्षण
- साक्षात्कार
- प्रतिपृच्छा
- सूचना

Snow Kids

प्रथम क्रियात्मक परिकल्पना के परिक्षण हेतु कार्य विधि

क्रम संख्या	किया गया कार्य	कार्य विधि	प्रयुक्त उपकरण	समय-अवधि
1	छात्राध्यापक द्वारा कक्षा में भूगोल विषय को गम्भीरता से लेने और न लेने वाले छात्रों का परिक्षण करना।	छात्रों को भूगोल विषय से सम्बन्धित कुछ प्रश्न देकर	भूगोल प्रश्न-पत्र	2 दिन
2	छात्राध्यापक ने भूगोल विषय में अरूचि के कारणों का पता लगाया	छात्रों से पूछताछ करके तथा छात्रों की गतिविधियों को देखकर	प्रतिपृच्छा	12 दिन
3	छात्राध्यापक द्वारा प्रधानाचार्य की अनुमति से सभी छात्रों के अभिभावकों को विचार-विमर्श के लिये बुलाया गया।	छात्रों की डायरी में सूचना लिखकर	अभिभावको को सूचना	1 दिन
4	अभिभावकों से विचार-विमर्श के समय छात्राध्यापक द्वारा उन्हें छात्रों को भूगोल विषय में रूचि न लेकर अध्ययन करने से होने वाली हानियों से अवगत कराया गया।	उन कारणों की जानकारी दी गयी जिससे छात्र भूगोल विषय में अरूचि लेते हैं, तथा उन तथ्यों पर अमल करने की सलाह दी गयी जिनसे छात्र भूगोल विषय में रूचि लेने लगें।	छात्रों के अभिभावकों से विचार-विमर्श करके	1 दिन

Snow Kids

प्रथम क्रियात्मक परिकल्पना के ऑकड़ो का विश्लेषण

छात्राध्यापक ने प्रथम क्रियात्मक परिकल्पना परिक्षाण हेतु 16 दिनों तक कार्य किया इसके अवलोकन के पश्चात् उसने पाया कि छात्रों के अध्यापको एवं अभिभावको के प्रयास से छात्र भूगोल विषय का अध्ययन करने लगे हैं परन्तु रूचि उत्पन्न नही हुई हैं जो संतोषजनक हो।

अतः छात्राध्यापक को 16 दिनो तक कार्योपरान्त संतोषजनक सफलता नही मिली। तत्पश्चात छात्राध्यापक ने द्वितीय परिकल्पना के परिक्षाण हेतु कार्य किया।

Snow Kids

द्वितीय क्रियात्मक परिकल्पना के परिक्षण हेतु कार्य विधि

क्रम संख्या	किया गया कार्य	कार्य विधि	प्रयुक्त उपकरण	समय
1	छात्राध्यापक ने कक्षा में छात्रों को भूगोल विषय की उपयोगिता एवं महत्व के विषय में जानकारी दी गयी।	भूगोल विषय के अध्ययन के लाभ बताकर।	सुझाव	2 दिन
2	चित्रों, मानचित्रों व मॉडलो के द्वारा रूचिपूर्ण ढंग से शिक्षण विधि को बढ़ावा देकर।	अध्यापकों के साथ शिक्षण विधि को रोचक बनाने पर विचार किया गया।	विचार एवं सुझाव	2 दिन
3	अध्यापकों द्वारा छात्र की शिक्षण विधि में सहयोग देना।	अध्यापकों से बात करके।	सुझाव	1 दिन
4	छात्र नियमित रूप से कक्षा के साथ रूचिपूर्ण ढंग से भूगोल विषय का अध्ययन करने लगे।	छात्रों से भूगोल विषय के कुछ प्रश्नो को हल करवा के व उत्तर पूछ कर	निरीक्षण	10 दिन

Snow Kids

द्वितीय क्रियात्मक परिकल्पना के ऑकड़ो का विश्लेषण

उपरोक्त परियोजना के अनुसार छात्राध्यापक ने 15 दिनों तक द्वितीय परिकल्पना के परीक्षण हेतु कार्य किया और अवलोकन के माध्यम से विद्यार्थियों में गुणात्मक सुधार को देखा और यह पाया कि अभिभावकों, शिक्षाकों व प्रधानाध्यापक के द्वारा परियोजना के अनुसार कार्य करने पर छात्रों में भूगोल विषय के प्रति रूचि न लेने का प्रवृत्ति समाप्त हो रही हैं। तथा कक्षा में शिक्षण के द्वारा पता चला कि छात्र अध्ययन के प्रति अधिक रूचि लेने लगे हैं।

Snow Kids

परिणाम:-

छात्राध्यापक के द्वारा विद्यालय में भूगोल विषय के प्रति छात्रों की रूचि पैदा करने में के लिये लगभग 31 दिनों तक दो क्रियात्मक परिकल्पनाओं के अनुरूप कार्य किया गया। परिणाम स्वरूप यह पाया गया कि समस्या के अध्ययन में शामिल लगभग 22 विद्यार्थियों में भूगोल विषयका अध्ययन रूचिपूर्ण ढंग से करने लगे हैं।

परियोजना का मूल्यांकन:-

छात्राध्यापक ने लगभग 31 दिनों तक इस परियोजना पर कार्य किया तथा किये गये कार्य का अवलोकन करने के पश्चात् विद्यार्थियों एवं अन्य शिक्षाको से साक्षात्कार के माध्यम से ऑकड़े एकत्र किये। एकत्रित ऑकड़ों का अवलोकन करने के पश्चात् छात्राध्यापक ने पाया कि परियोजना के क्रियान्वयन से कक्षा 8 के विद्यार्थियों में भूगोल विषय के प्रति अरूचि कम हुई हैं तथा वे भूगोल विषय की उपयोगिता व महत्व समझने लगे हैं। अब वे नियमित रूप से कक्षा के साथ रूचि पूर्ण अध्ययन कार्य करने लगे हैं। अत: छात्राध्यापक द्वारा बनाई गयी परियोजना सफल सिद्ध हुई तथा इसका लाभ छात्रों, अध्यापकों तथा अभिभावकों को लाभ हुआ।

निष्कर्ष:-

परियोजना के उपरोक्त मूल्यांकन के आधार पर निष्कर्षत: हम यह कह सकते हैं कि विद्यार्थियों को उचित निर्देश देकर और उनके कार्यो का निरीक्षण करके एवं उनके द्वारा स्वयं कार्य करवाकर सामने आने वाली समस्याओं का निदान किया जा सकता हैं। अत: छात्राध्यापक को शिक्षण कार्य के समय अपने क्रियाकलापों में सुधार करके तथा छात्रों को उचित निर्देश के द्वारा उनका मार्गदर्शन करना चाहियें।

Snow Kids

सुझाव

छात्राध्यापक के द्वारा परियोजना के क्रियान्वयन के पश्चात् निकाले गये निष्कर्षों के आधार पर शिक्षकों, प्रधानाचार्य तथा शिक्षा व्यवस्था से जुड़े सभी व्यक्तियों को निम्नलिखित सुझाव दिये जा सकते हैं:-

- शिक्षकों को कक्षा में नवीनतम शिक्षण विधियों का प्रयोग करके रोचकता उत्पन्न करनी चाहिये।
- शिक्षण के स्तर की प्रगति तथा गुणात्मक विकास से योजना का प्रत्यक्ष सम्बन्ध होना चाहिये।
- शिक्षकों को चाहिये कि वे छात्रों को विषय की उपयोगिता एवं जानकारी प्रदान करें।
- छात्रों को गृहकार्य देने से पूर्व कक्षा में कुछ उदाहरण कराने चाहिये।
- गृहकार्य की मात्रा अधिक नही होनी चाहिये।
- अभिभावकों को प्रेरित किया जाये कि वे छात्रों का पूर्ण रूप से सहयोग करें।
- प्रधानाचार्य व प्रबन्धक को अपने विद्यालय में समुचित शासन व्यवस्था लागू करनी चाहिये तथा उल्लंघन करने पर उचित दण्ड देना चाहिये।

Snow Kids

सन्दर्भ ग्रन्थ सूची

- सिंह, डा० कर्ण, (2006) सामाजिक विज्ञान शिक्षण, गोविन्द प्रकाशन, लखीमपुर खीरी।
- पाठक, पी० डी०, (2009) सामाजिक विज्ञान शिक्षण शिक्षण, विनोद पुस्तक मंदिर, आगरा।
- शील, अवनीन्द्र, (2007) सामाजिक विज्ञान शिक्षण, साहित्य रत्नालय, कानपुर।
- भूगोल कक्षा-8, (2010) उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा परिषद, इलाहाबाद।

Snow Kids

हलीम मुस्लिम स्नातकोत्तर महाविद्यालय, कानपुर

सत्र : 2010-2011